भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

D-288

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध-प्रबंध

2008-2009

मार्गदर्शक
संजय कुमार पंडागले
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग

शोधार्थी
मुकुल चौहान
एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा पत्र

मैं मुकुल चौहान एम.एड्. (आर.आई.ई.) छात्र यह घोषणा करता हूँ कि ''भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन'' नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध वर्ष 2008-09 में मैंने संजय कुमार पंडागले प्रवक्ता के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल से पूर्ण किया हैं।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड्. (आर.आई.ई.) 2008-09 की उपाधि के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं। इस शोध में दिये गये आंकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं। यह प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

स्थानः भोपाल

दिनांकः

शोधकर्ता
मुकुल चौहान
एम.एड्. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(एन.सी.ई.आर.टी)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **मुकुल चौहान**, एम.एड् (आर.आई.ई) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत् हैं। इन्होनें एम.एड्.(आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध प्रबंध **''भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के विद्यार्थियों के निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन''** मेरे मार्गदर्शन में विधिवत् पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघुशोध कार्य पूर्णतः मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया हैं एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया हैं।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड्. (आर.आई.ई) 2008-09 की उपाधि के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम हैं।

28.4.09

स्थानः भोपाल

दिनांकः

मार्गदर्शक
संजय कुमार पंडागले
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,भोपाल
(एन.सी.ई.आर.टी.)

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध ''भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन'' की संपन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्री संजय कुमार पंडागले, प्रवक्ता क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को है। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत शोधकार्य प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल हैं।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के प्राचार्य आदरणीय डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, अधिष्ठाता डॉ. व्ही.के.सुनवानी तथा डॉ. एस.के. गोयल विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग इनके स्नेह पूर्ण व्यवहार, आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन के लिए जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा।

मैं आदरणीय डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. यू. लक्ष्मीनारायणा, डॉ. बी.रमेश बाबू, प्रवाचक, डॉ. एम.यू. पैइली, डॉ. के.के. खरे, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनीती खरे, डॉ. एम.के. श्रीवास्तव, इन सभी गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य में सहयोग किया।

मैं पुस्तकालय कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों तथा अपने सहपाठियों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ जिनके सहयोग से शोधकार्य संपन्न हो सका।

मैं अपने आदरणीय पिता, भैय्या, भाभी, तथा परिवार के शुभचिंतकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा। जिन्होंने मेरे अध्ययन में तन,मन, धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया हैं।

अतं में मैं शोधकार्य से संबंधित चरणों में शोधकार्य में जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग दिया उन सभी का सच्चे मन तथा ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

स्थानः भोपाल

दिनांकः

शोधकर्ता
मुकुल चौहान
एम.एड्. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(एन.सी.ई.आर.टी)

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

अध्याय–प्रथम

शोध परिचय 1–29

1.1	प्रस्तावना	1
1.2	भूगोल का उद्‌भव और विकास	2
1.3	भूगोल की परिभाषाएँ	2
1.4	भूगोल का अर्थ	3
1.5	भूगोल के प्रकार	4
1.6	भूगोल शिक्षण का स्वरूप	7
1.7	भूगोल शिक्षण के उद्‌देश्य	8
1.8	भूगोल शिक्षण की विधियाँ	9
1.9	भूगोल शिक्षण सहायक सामग्री	17
1.10	भारतीय विद्यालयों में भूगोल शिक्षण की समस्यायें।	26
1.11	समस्या कथन	27
1.12	शोध से जुड़े शब्दों की व्यावहारिक व्याख्या	27
1.13	अध्ययन के उद्‌देश्य	28
1.14	परिकल्पनाएँ	28
1.15	शोध की आवश्यकता एवं महत्व	28
1.16	अध्ययन की सीमाएँ	29

अध्याय–द्वितीय

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 30–39

2.1 प्रस्तावना 30

2.2 संबंधित शोध कार्य 31

अध्याय–तृतीय

शोध प्रविधि 40–45

3.1 प्रस्तावना 40

3.2 शोध–अभिकल्प 40

3.3 प्रतिदर्श 41

3.4 शोध में प्रयुक्त चर 42

3.5 उपकरण 43

3.6 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रक्रिया 43

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या 46–51

4.1 प्रस्तावना 46

4.2 शोध के उद्देश्य 46

- उद्देश्य–1
- उद्देश्य–2
- उद्देश्य–3

4.3 अनुसंधान परिकल्पना की जाँच 47

- परिकल्पना –1
- परिकल्पना–2
- परिकल्पना–3

अध्याय–पंचम

निष्कर्ष एवं सुझाव 52–55

5.1	प्रस्तावना	52
5.2	समस्या कथन	52
5.3	अध्ययन के उद्देश्य	52
5.4	परिकल्पनाएँ	53
5.5	अध्ययन की सीमाएँ	53
5.6	प्रतिदर्श	53
5.7	शोध में प्रयुक्त चर	54
5.8	निष्कर्ष	54
5.9	सुझाव	55
5.10	भविष्य के लिए शोध सुझाव	55

संदर्भ ग्रंथ सूची **I-II**

परिशिष्ट **III-X**

- ❖ परिशिष्ट–1 प्रश्नपत्र **III**
- ❖ परिशिष्ट–2 नियंत्रित समुह गुण तालिका **IX**
- ❖ परिशिष्ट–3 प्रायोगिक समुह गुण तालिका **X**

तालिका सूची

क्र.	तालिका क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	3.3.1	प्रतिदर्श विभाजन दर्शाने वाली तालिका	41
2	3.4.1	चर विभाजन तालिका	43
3	4.3.1	नियंत्रित और प्रायोगिक समूहों के विद्यार्थियों में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना	48
4	4.3.2	नियंत्रित और प्रायोगिक समूहों के छात्राओं में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना	49
5	4.3.3	नियंत्रित और प्रायोगिक समूहों के छात्रों में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना	50